



युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
दिसम्बर, 2016 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

दिसम्बर मास का चार्ट:

लक्ष्य – श्रीमत।

भाग्यशाली है वे आत्माएं जिन्हें भगवान की श्रीमत सुनने का सुअवसर प्राप्त होता है। अनेक जन्मों के पुण्य कर्म का परिणाम है जो भगवान के महावाक्यों को सुनने का लाभ मिलता है परंतु पद्मापद्म भाग्यवान हैं वे आत्माएं जो श्रीमत अर्थात् श्रेष्ठ मत, जो केवल एक परमात्मा की ही गाई जाती है, उसे धारण करने का दृढ़ संकल्प किया है। सारा कल्प हमने अनेक मतों पर चल अपना जीवन व्यतीत किया। पुरुषोत्तम कल्याणकारी संगमयुग के पावन समय पर ही हमें ईश्वर की श्रीमत प्राप्त होती है। हर संकल्प, बोल, कर्म, व्यवहार, संबंध, सम्पर्क, समस्या के प्रति हमें श्रीमत प्राप्त है।

तो आइने, श्रीमत पर चलकर हम अपना जीवन श्रेष्ठ बनाएं और संसार के सामने उदाहरणमूर्त बनें।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	तन श्रीमत अनुसार चलाना
दूसरा	मन श्रीमत अनुसार चलाना
तीसरा	धन श्रीमत अनुसार चलाना
चौथा	जन अर्थात् संबंध श्रीमत अनुसार चलाना

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उस पर चलते फिरते, कार्य करते अभ्यास एवं चिन्तन करना है। उस पर 10 लाईन कम से कम लिखनी है। रोज रात को चेक करना है कि कितना % महिमा करने में सफल रहे।

❖ विशेष Activity: मास के प्रथम रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरनेवाले भाई-बहनों का वर्कशोप रखें। जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श करायें:

1. श्रीमत अर्थात् क्या?
2. श्रीमत पालन करने से लाभ।
3. श्रीमत पालन न करने के नुकसान
4. Action Plan बनाएं।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3. व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल- 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. श्रीमत - 50%
10. गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. एक बाबा जो सुनाते हैं वही सुनेंगे।
2. हर कर्म श्रीमत अनुसार करेंगे।

अभ्यास: हर कर्म करने से पहले स्वयं को स्मृति दिलाना है कि बाबा ने इस कर्म के लिए कौनसी श्रीमत दी है।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

सप्ताह	स्वमान
पहला	मैं आत्मा श्रीमत पर चल श्रेष्ठ बनने वाली हूँ।
दूसरा	मैं आत्मा परमात्मा की आज्ञाकारी हूँ।
तीसरा	मैं आत्मा सदा श्रीमत रूपी हाथ पकडकर चलने वाली हूँ।
चौथा	मैं आत्मा श्रीमत से श्रृंगारित हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम: _____	सेन्टर का नाम: _____	DiDar No: _____
गुड मॉर्निंग-90%	अमृतवेला-75%	
व्यायाम/पैदल-80%	ट्रैफिक कंट्रोल-90%	
मुरली क्लास-90%	नुमाशाम का योग-80%	
स्वमान की स्मृति-75%	अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%	
श्रीमत -50%	गुड नाइट-95%	
चार्ट: OK या OK		टीचर के हस्ताक्षर